राज० की प्रमुख चित्रकला

चित्रकला
- → भारत मे चित्रकला शैली → जहांगीर
- → राज० मे ,, ,, महाराणा कुंभा
- → आधुनिक → कुन्दन लाल मिस्त्री (चित्रकार)

प्रमुख चित्र → सीतास्वंयवर
भील सरदार
क्षमा याचना

राज० में प्राचीनतम ग्रन्थ → दसवैकालिक सुत्र चुर्णी → 1060 ई. मे

मेवाड़ का प्राचीनतम ग्रन्थ → श्रावक प्रतिकर्मण सुत्र चुर्णी ग्रन्थ
↳ चित्रकार → कमल चन्द
↳ ताम्र पत्र पर उत्कीर्ण
→ वर्तमान मे जैसलमेर संग्रहालय

राज० चित्रकला सर्वप्रथम मेवाड़ मे आयी → राज मे चित्रकला शैली की जन्म भूमि
गुजरात + जैन → मेवाड़

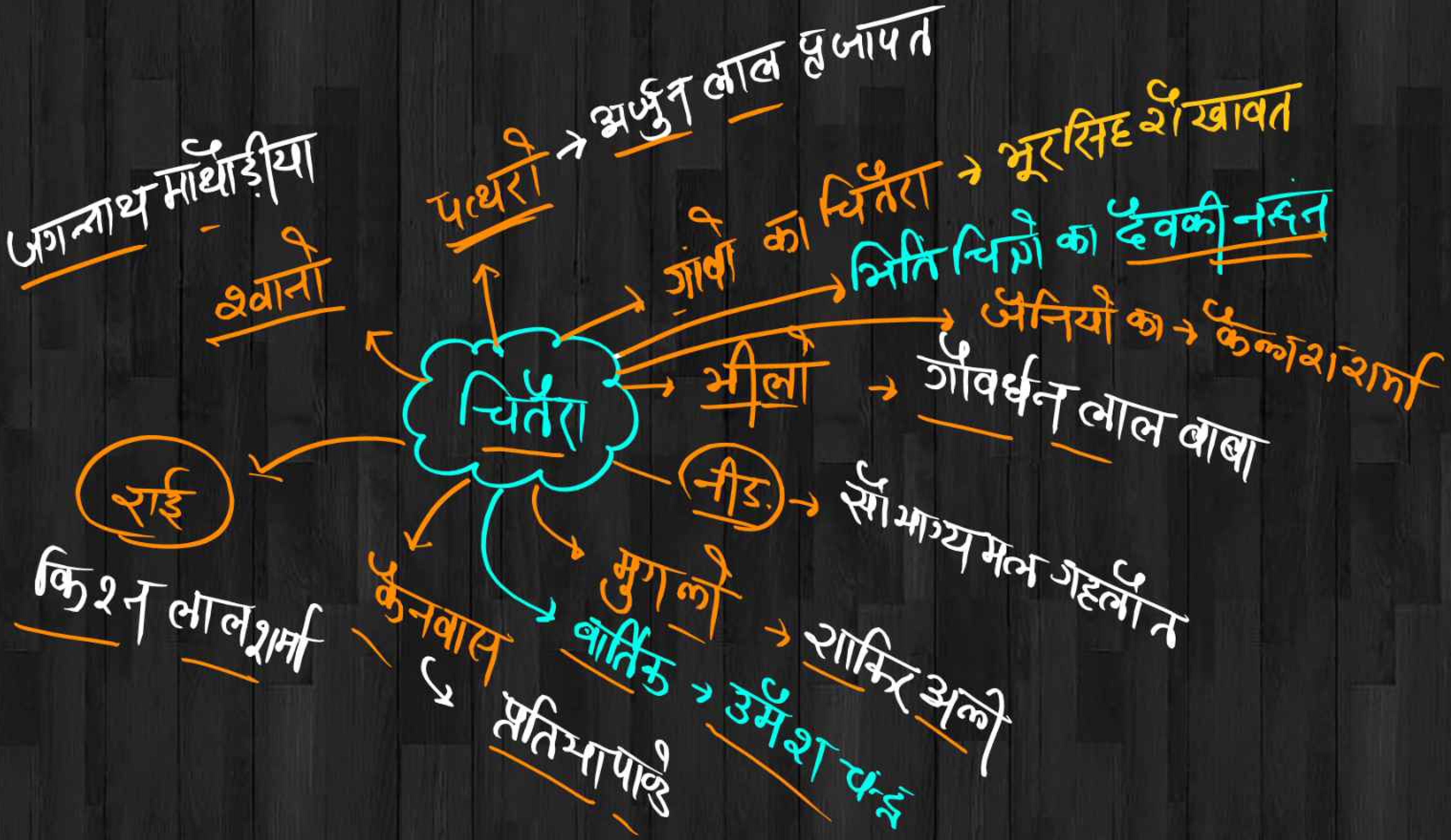
चितेरा
पत्थरों → अर्जुन लाल प्रजापत
गांवों का चितेरा → भूरसिंह शेखावत
भित्ति चित्रों का देवकीनन्दन
अनियों का → कैलाश शर्मा
भीलों → गोवर्धन लाल बाबा
नीड़ → सौभाग्य मल गहलोत
मुगलों → शाकिर अली
बातिक → उमेश चन्द्र
केनवास → प्रतिमा पाण्डे
राई
किशन लाल शर्मा
श्वानों
जगन्नाथ मथोड़िया

प्रधान रंग → पीला लाल

प्रधान पक्षी → मोर

मुगल प्रभाव → 15-16वी शताब्दी

आरायश | आलागीला पद्धति इटली से अकबर लाया

↳ सर्वाधिक प्रभाव → जहांगीर

फूलों को चुनो → नम पलस्तर

फूलों को सुखाओ → सूखे पलस्तर

भित्तिचित्रों का स्वर्ग → राजमहल तारागढ़ बुन्दी
" " का महल → अल्बर्ट हाल
आम लोक जीवन के भित्ति चित्र → शेखावटी
शेखावटी में भित्ति चित्रों को पना
सबीह चित्र → जिसमें मुगल प्रभाव हो

राज० चित्रकला का नामकरण

- राजपूत चित्रकला → गांगुली / हैवाल
- हिन्दु चित्रकला → N.C. मेहता
- राज चित्रकला → रामकृष्ण दास
- स्कूल चित्र प्रदर्शनी → रामगोपाल विजयवर्गीय
- राजस्थानी चित्रकला → कर्नल टॉड

रेखाचित्र / शैलाश्रय चित्र → पत्थरों पर चित्रांकन

↳ आलनियावास → कोटा, अगस्त्य ऋषि की गुफा → टोंक (उनियारा)

दर्र → भरतपुर

बैराठ → कोटपुतली बहरोड़

1916 में आनन्द कुमारस्वामी ने राजपूत पेंटिंग्स पुस्तक में चित्रकला शैली का वर्गीकरण किया

1 → मारवाड़ स्कूल
2. → मेवाड़ स्कूल
3. → हाड़ौती स्कूल
4. → ढुण्ढाड स्कूल

मारवाड़ स्कूल – Trick →

5 जो बी जैसे किशन आना चाहिये

जोधपुर, बीकानेर, जैसलमेर, किशनगढ़, अजमेर, नागौर

मेवाड़ स्कूल : उंचा ना देखो

उदयपुर, चावन्ड, नाथद्वारा, देवगढ़

ढुण्ढाड़ स्कूल : Trick → अल आज शिखा कहां

अलवर, आमेर, जयपुर, शेखावटी

हाड़ौती स्कूल → कोटा | बुन्दी | झालावाड़

मारवाड़ स्कूल → जोधपुर चित्रकला

- उद्भव → मालदेव के समय
- मुगल प्रभाव → मोटा राजा उदयसिंह
- स्वर्ण काल → जसवन्त सिंह | मान सिंह
- युरोपीय प्रभाव → तख्त सिंह
- श्रृंगार प्रिय | राधा | कृष्ण → विजय सिंह
- नाथो से सम्बधित → मान सिंह
  - ↳ शिवपुराण, नाथ-चरित पर चित्र बने
- सर्वाधिक प्रेम प्रसंग चित्र
  - ↳ प्रमुख चित्र : मूमल दे | निहाल दे
    - ढोला मारू
    - रूपमती | बाजबहादुर

→ हुक्का पीती महिला चित्र
→ अजीत सिंह का शिकार दृश्य
→ अभय सिंह नृत्य चित्र
→ चौखेलाव महल की छत पर → राम-रावण चित्र
→ तख्त सिंह के समय → दुर्गादास राठौड़ चित्र

प्रमुख चित्रकार

A → अमरदास भाटी
B → किशन सिंह भाटी
C → शिवदास
D → देवदास
E → जीतमल
F → फ़ैजल

महिला चित्र → बादाम जैसी आंखे लहंगा पहने
पुरुष → हाथ मे तलवार लिये शौर्यवान चित्र

बीकानेर चित्रकला

- उद्भव → राय सिंह
- स्वर्ण काल → अनुपसिंह
- मुगल प्रभाव → कल्याणमल
- यहां पर सर्वाधिक मुसलमान चित्रकार
- लाहौर से BKNR
- अपना नाम। पिता का नाम तिथि लिखते थे

दक्षिण प्रभाव
मुगल प्रभाव
पंजाबी प्रभाव

सर्वाधिक घोड़े का चित्रांकन

प्रमुख चित्र : पन्चमासा सप्तमासा, बारहमासा
- कांगड़ा शैली। दक्षिणी प्रभाव
- व्यक्ति विशेष चित्र

उस्तकला | चित्रकला का स्वर्णकाल → अनुपसिंह का काल था

प्रमुख चित्रकार : चन्दुलाल
मुन्ना लाल
राम किशन
जय किशन
मेघराज
हसन अली
अली राजा
शिहाबुद्दीन उस्ता
कासिम खा उस्ता
कायम खॉ उस्ता

जैसलमेर चित्रकला
- उद्भव → हरिराज
- स्वर्णकाल → मूलराज II
  - यहां बाहरी प्रभाव नही देखा गया
  - स्वर्ण रजित रंगों का प्रयोग
- प्रमुख चित्र : मूमल | महेन्द्र

किशनगढ़ चित्रकला :- उद्भव | स्वर्ण काल → सावंत सिंह | नागरी दास

↳ यहां के शासक सावंत सिंह नागरी दास नाम से हस्ताक्षर करते थे

↳ इनके ग्रन्थों को नागर समुच्चय कहा जाता है।

प्रमुख चित्र :- साझी लीला

चान्दनी रात की संगोष्ठी

दीपावली

किचड़ मे खिला कमल का फूल

बनी ठनी

प्रकृति सौन्दर्य का चित्रण

नौका विहार का चित्र

सफेद | गुलाबी रंग की प्रधानता

बणी ठणी चित्र : सावन्तसिंह ने निहालचन्द चित्रकार से बनवाया।

→ उपनाम → भारत की मोनालिसा, उत्सवप्रिया, नागररमणी नवलीज, किशनगढ़ की राधा

→ 1973 में 20 पैसे का डाक टिकट जारी

→ हाथ में कमल कली आभूषण

→ नाक में वेसरी आभूषण

प्रमुख चित्रकार → मोरध्वज निहालचन्द, सूरध्वज, लाडलीदास, भंवरलाल मूलराज, नानकराम, सीताराम

अजमेर चित्रकला

- नाम/तिथि का अंकन
- मुगल प्रभाव
- युरोपीय प्रभाव
- छल्लेदार मुच्छे
- हाथों पर मेंहन्दी का चित्रांकन
- पाबू राजा का चित्र
- प्रमुख चित्रकार → साहिबा, उस्ना, नारायणभाटी, तैय्यबजीभाटी

नागौर चित्रकला

- अमर सिंह राठौड़ के चित्र
- इन्द्र सिंह राठौड़ के चित्र
- वृद्धावस्था के चित्र
- पारदर्शी रंगो का प्रयोग
- बुझे हुये रंगो का प्रयोग
- किवाड़ो पर चित्रांकन